अच्छा और ग्रेट होने में फर्क

सीआईआई द्वारा लीडरशिप पर व्याख्यान

इंदौर। किसी भी संस्थान का अच्छा होने और प्रभावकारी होने में अंतर होता है। कुछ आदतें इंसान को प्रभावकारी बना देती हैं, ऐसे ही लोगों से प्रभावकारी टीम बनती है और ऐसी ही टीम प्रभावकारी संस्थान बनाने का आधार होती है। इसी तरह की बातें सीआईआई वायआई की इंदौर शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुई। संस्था के सदस्यों के लिए 'लीडरशिप' विषय पर रखे गए व्याख्यान में कंपनी फ्रेंकलिन कोवी के सीईओ (एशिया रिजन) लवलीन रहेजा ने संबोधित किया।

श्री रहेजा ने बताया कि कई सारी बातों का मिलाजुला रूप ही लीडर्स तैयार करता है। इसके लिए खुद की सेवाओं और प्रदर्शन को सुपीरियर बनाए रखना और ग्राहकों का विश्वास जीतकर अलग प्रभाव छोड़ने के प्रयत्न और सक्रियता जरूरी है।

वायआई इंदौर शाखा के तुषार मिश्रा ने बताया कि सदस्यों की सफलता और उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के लिए इस तरह के प्रेरणादायक कार्यक्रम कराए जाते हैं। ताकि मैनेजमेंट टिप्स सीखकर समय की माँग को पूरा किया जा सके और हर परिवर्तन के अनुसार ग्राहकों को सेवाएँ दी जा सकें। उन्होंने बताया कि अपनी सेवाओं में लगातार सुधार और विस्तार करने की प्रक्रिया ही कंपनी को ग्रेट या प्रभावकारी होने का खिताब दिलाती है।